सामाजिक विज्ञान

कक्षा 8

(इतिहास)

Chapter 5: जब जनता बगावत करती है

To get notes visit our website

mukutclasses.in

अभ्यास के प्रश्न

फिर से याद करें

प्रश्न 1. झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई की अंग्रेज़ों से ऐसी क्या माँग थी जिसे अंग्रेज़ों ने ठुकरा दिया?
उत्तर: झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई की मांग थी कि अंग्रेज उनके गोद लिए बेटे को झांसी का राजा मान ले। परन्तु अंग्रेजों ने उसकी मांग को ठुकरा दिया। अंग्रेजों ने भारतीय राज्यों को हड़पने के लिए "लैप्स की नीति" बना रखी थी जिसके अनुसार अगर भारतीय राजा की मृत्यु बिना किसी उतराधिकारी छोड़े हो जाती है तो उस राज्य को अंग्रेजी शासन में मिला लेते थे।

प्रश्न 2. ईसाई धर्म अपनाने वालों के हितों की रक्षा के लिए अंग्रेजों ने क्या किया?
उत्तर: ईसाई धर्म अपनाने वालों के हितों की रक्षा के लिए अंग्रेजों ने एक नया कानून बनाया। इस कानून का प्रावधान था कि अगर कोई भारतीय इसाई धर्म अपनाता है तो उसे अपने पूर्वजों की संपति पर अधिकार पहले जैसा ही रहेगा।

प्रश्न 3. सिपाहियों को नए कारतूसों पर क्यों ऐतराज़ था?
उत्तर: मेरठ में तैनात कुछ सिपाहियों ने नए कारतूसों का प्रयोग करने से मना कर दिया क्योंकि उन्होंने लगता था कि नये कारतूसों पर गाय और सूअर की चर्बी का लेप लगा हुआ है।

प्रश्न 4. अंतिम मुगल बादशाह ने अपने आखिरी साल किस तरह बिताए?
उत्तर: अंतिम मुग़ल बादशाह बहादुरशाह जफ़र को सैनिक विद्रोह के लिए आजीवन कारावास की सजा दी गई। उन्हें रंगून की जेल में भेज दिया गया। इसी जेल में 1862 में उनकी मृत्यु हो गई।

आइए विचार करें

प्रश्न 5. मई 1857 से पहले भारत में अपनी स्थिति को लेकर अंग्रेज शासकों के आत्मविश्वास के क्या कारण थे?
उत्तर: मई 1857 से पहले अंग्रेजों को भारत में अपनी स्थिति को लेकर आत्मविश्वास के निम्न कारण थे:

1. अंग्रेजों भारतीय सैनिकों को विश्वसनीय मानते थे।
2. महत्त्वपूर्ण लड़ाइयों में उन्होंने बढ़-चढ़कर भाग लिया था।
3. उन्हें लगता था कि कारतूसों के कारण हुई उथल-पुथल थोड़े समय बाद ही शांत हो जाएगी।

प्रश्न 6. बहादुर शाह ज़फ़र द्वारा विद्रोहियों को समर्थन दे देने से जनता और राज परिवारों पर क्या असर पड़ा?
उत्तर: बहादुर शाह जफ़र द्वारा विद्रोहियों को समर्थन दे देने से जनता और राज परिवारों पर निम्न असर पड़ा:

1. देश की बाकी सैनिक टुकड़ियों ने भी बगावत शुरू कर दी।
2. कस्बों और गांवों के लोग भी बगावत में शामिल होने लगे।
3. सभी स्थानीय नेताओं, जमींदारों और मुखियाओं ने भी जनता को संगठित करना शुरू कर दिया।
4. कानपुर में नाना साहब ने सेना इकट्ठा की और अंग्रेज सैनिकों को खदेड़ दिया।
5. लखनऊ में बेगम हजरत महल ने अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह कर दिया।
6. झांसी में रानी लक्ष्मीबाई ने अंग्रेजों को भारी चुनौती दी।

प्रश्न 7. अवध के बागी भूस्वामियों से समर्पण करवाने के लिए अंग्रेज़ों ने क्या किया?
उत्तर: अवध के बागी भू-स्वामियों से समर्पण करवाने के लिए अंग्रेजों ने निम्न कार्य किया:

1. अंग्रेजों ने भू स्वामियों का विश्वास जीतने के लिए हर संभव प्रयास किये।
2. उन्होंने वफादार भू स्वामियों के लिए इनामों की घोषणा की।
3. उनको आश्वासन दिया गया कि जमीनों पर उनके परंपरागत अधिकार बने रहेंगे।
4. अगर वे आत्मसमर्पण कर देंगे तो वे सुरक्षित रहेंगे और जमीनों के दावेदार रहेंगे।

प्रश्न 8. 1857 की बग़ावत के फलस्वरूप अंग्रेजों ने अपनी नीतियाँ किस तरह बदली?
उत्तर: 1857 की बग़ावत के बाद अंग्रेजों ने अपनी नीतियों में निम्नलिखित बदलाव किये:

1. भारत का शासन ईस्ट इंडिया कंपनी से ब्रिटिश सरकार के पास चला गया।
2. भारतीय राजाओं को आश्वासन दिया गया कि भविष्य में उनकी जमीनों पर कब्जा नहीं किया जाएगा।
3. राजाओं के दत्तक पुत्र को भी उत्तराधिकारी माना जाएगा।
4. ब्रिटिश सेना ने भारतीय सिपाहियों के अनुपात को कम कर दिया और ब्रिटिश सिपाहियों के अनुपात को बढ़ा दिया।
5. अंग्रेजों ने फैसला लिया कि वे भारतीय रीति-रिवाज, धर्म, परम्पराओं और सामाजिक प्रथाओं को सम्मान देंगे।
6. भू-स्वामियों और जमींदारों को उनकी जमीनों पर अधिकार को सुरक्षित किया गया।

आइए करके देखें

प्रश्न 9. पता लगाएँ कि सन सत्तावन की लड़ाई के बारे में आपके इलाके या आपके परिवार के लोगों को किस तरह की कहानियाँ और गीत याद हैं? इस महान विद्रोह से संबंधित कौन-सी यादें अभी लोगों को उत्तेजित करती हैं?
उत्तर: छात्र अपने इलाके के लोगों से पूछकर खुद करें।

प्रश्न 10. झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई के बारे में और पता लगाएँ। आप उन्हें अपने समय की एक विलक्षण महिला क्यों मानते हैं?
उत्तर: रानी लक्ष्मीबाई का जन्म 1828 क आस-पास बनारस में हुआ। 14 वर्ष की आयु में उनका विवाह झाँसी के राजा गंगाधर राव के साथ हुआ। कुछ वर्षों के बाद उसने एक पुत्र को जन्म दिया परन्तु कुछ दिनों बाद उसकी मृत्यु हो गई। सन् 1853 में महाराज गंगाधर राव ने दामोदर राव को गोद ले लिया। उसके बाद बीमारी से महाराज की मृत्यु हो गई। रानी लक्ष्मीबाई अपने समय की एक विलक्षण महिला थी। रानी ने दामोदर राव को अपना उतराधिकारी घोषित कर दिया। ब्रिटिश शासन ने रानी के इस दावे को ठुकरा दिया और 'लैप्स की नीति' के तहत उनके राज्य को अंग्रेजी हुकूमत में मिलाने का फैसला किया। रानी लक्ष्मीबाई अंग्रेजों के साथ युद्ध छेड़ दिया। उसने एक सेना का निर्माण किया जिसमें महिलाएं एवं पुरुष दोनों थे। दो सप्ताह तक अंग्रेजों के साथ युद्ध हुआ जिसमें रानी ने अंग्रेजी सेना का बहुत ही दिलेरी से मुकाबला किया।

MUKUTclasses